



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 617] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 21, 1984/अग्रहायण 30, 1906
No. 617] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 21, 1984/AGRAHAYANA 30, 1906

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1984

अधिसूचना

घनकर

का. आ. 951 (अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 46 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घनकर नियम, 1957 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम घनकर (तृतीय संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1985 को प्रवृत्त होंगे।

2. घनकर नियम, 1957 में,—

(i) नियम 8B का शेष किंवा आध्यात्म,

(ii) प्रकृष क में उपाबंध 6 के स्थान पर निम्नलिखित उपाबंध रखा जाएगा, अर्थात्

"उपाबंध 6

(इस विवरणी के भाग 1 का खण्ड ख देखिए)

भारत में अवस्थित चल सम्पत्ति (गैर कारोबारी आस्तियां) का विवरण

क्रम सं.	आस्तियों का वर्णन	मूल्य रु.
(1)	(2)	(3)
1.	धारा 5 (1) (15) में निर्दिष्ट निक्षेप	
2.	धारा 5(1) (16) में निर्दिष्ट विनिधान	
3.	धारा 5(1) (22) में निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियां	
4.	धारा 5(1) (23) में निर्दिष्ट भारतीय कम्पनियों में शेयर	
5.	धारा 5(1) (24) में निर्दिष्ट विदेशी	
6.	धारा 5(1) (25) में निर्दिष्ट भारतीय व्यक्ति द्वारा के कूनिट	

1	2	3	1	2	3
7.	धारा 5(1) (25क) में निर्दिष्ट राष्ट्रीय निक्षेप स्कीम के अधीन निक्षेप			कम कीजिए: किसी भागीदारी फर्म में किसी भागी- दार के रूप में या व्यक्तिसंगम में सदस्य के रूप में	
8.	धारा (1) (26) में निर्दिष्ट बैंकों में, जिसके अंतर्गत सहकारी बैंक भी हैं, निक्षेप और अनिवार्य निक्षेप स्कीम (आयकर वाता) अधिनियम, 1974 के अधीन अनिवार्य निक्षेप			ऐसी फर्म या संगम के औद्योगिक उपक्रम की आ- स्तियों में धारा 5 (1) (32) में निर्दिष्ट निर्धारित के हित का मूल्य	
9.	धारा 5(1) (27) में निर्दिष्ट वित्त निगमों और सार्वजनिक कम्पनियों में निक्षेप			शुद्ध मूल्य	
10.	धारा 5(1) (27क) में निर्दिष्ट भारतीय औद्योगिक विकास बैंक में निक्षेप		18.	वाणिज्यिक अधिकार [उनसे भिन्न जो धारा 2(क.) के अधीन "आस्तियों" में सम्मिलित किए जाने योग्य नहीं हैं और वे जो धारा 5(1) (6क) या (7) के अधीन छूट से भिन्न हैं]	
11.	धारा 5(1) (27ब) में निर्दिष्ट किसी प्राधिकरण में निक्षेप		19.	निर्धारित जो अपनी वृत्ति या व्यवसाय चलाने में समर्थ बनाने के लिए आवश्यक औजार और उपकरण आदि (व्यवसाय या वृत्ति का उल्लेख कीजिए) कम कीजिए: [छूट की रकम (धारा 5(1) (10))]	
12.	धारा 5(1) (28) में निर्दिष्ट सहकारी सोसाइटी में शेयर		20.	(क) फर्नीचर, गृहस्थी के बर्तन और अन्य वस्तुएं जो धारा 5(1) (8) के अधीन छूट प्राप्त नहीं हैं (ब्योरे कीजिए)	
13.	सहकारी बैंक या सहकारी आवास सोसाइटी से भिन्न धारा 5(1) (29) में निर्दिष्ट किसी सहकारी सोसाइटी में निक्षेप			(ख) वाहन [धारा 5(1) (8) का तीसरा परन्तुक और स्पष्टीकरण 2 देखिए]	
14.*	किसी भागीदारी फर्म में भागीदारी के रूप में या व्यक्तिसंगम में सदस्य के रूप में ऐसी फर्म या संगम के औद्योगिक उपक्रम की आस्तियों में, धारा 5(1) (32) में निर्दिष्ट निर्धारित के हित का मूल्य			विवरण	
	कुल मूल्य			(ग) आप्रमाण (ब्योरे कीजिए):	
	कम कीजिए: धारा 5 (1क) के अधीन छूट दी गई रकम (उस विस्तार तक जिस तक उपाबंध 1 या 2 में कृषि भूमियों के मूल्य के मद्दे फायदा नहीं लिया गया है)			(i) स्वर्ण के गहने	
	शुद्ध मूल्य-अग्रणीत			(ii) चांदी, प्लेटिनम या किसी अन्य बहुमूल्य धातु या किसी मिश्र धातु के गहने [धारा 5(1) (8) का स्पष्टीकरण 1 (क) देखिए]	
15.	(क) स्थानीय प्राधिकारियों की प्रतिभूतियां, बंधपत्र और डिबेंचर (क्रम सं. 5 पर उल्लिखित से भिन्न)			(iii) बहुमूल्य या अर्द्ध बहुमूल्य रत्न—	
	(ख) कंपनियों के शेयर (क्रम सं. 4 पर उल्लिखित से भिन्न), डिबेंचर या बंधपत्र			[धारा 5(1) (8) का स्पष्टीकरण 1 (ख) देखिए]	
16.	(क) उधार या अग्रिम के रूप में दी गई राशियां और मूल्यांकन की तारीख तक उन पर उद्भूत शोध्य व्यय,		21.	बीमा पालिसी में निर्धारित के अधिकार या हित का मूल्य उस विस्तार तक जिस तक वह धारा 5(1) (6) के अधीन छूट प्राप्त नहीं है	
	(ख) निर्धारित की शोध्य कोई अन्य रकम जो असंदाय रह गई हो।		22.	ऊपर की सर्वा में सम्मिलित न की गई अन्य अधिआस्तियां	
	(ग) बीमा पालिसियों की रकम को शोध्य और वेप हो गई हो किन्तु जिसका संदाय नहीं किया गया हो			इस विवरणी के साथ 1 खण्ड ख [सं. (3) को अग्रणीत कुल मूल्य	
	(घ) नकद संदाय न किया गया लाभार्जन, व्यय, आदि			टिप्पण: 1* ब्योरे कीजिए	
	(ङ.) हाथ नकदी या बैंक में नकदी (क्रमसंख्या 8 पर उल्लिखित से भिन्न)			2** जहां विवरणी का सम्बंध निर्धारण वर्ष 1976-77 या किसी पूर्वतर निर्धारण वर्ष से है वहां,—	
17.**	भागीदारी फर्म में भागीदार के रूप में या किसी व्यक्ति संगम में (जो सहकारी आवास सोसाइटी नहीं है) सदस्य के रूप में निर्धारित के हित का मूल्य			(i) किसी निफट धारित कंपनी में किसी शेयर के मूल्य जो वसूली वाली रकम, जो आयकर अधिनियम की अनुसूची के भाग 1 के पैरा 4 में नियम 4 के अधीन "सहरी आस्ति" मानी गई है और उपाबंध 4 में जोड़ी गई है, पुष्क रूप में दर्शाई जानी चाहिए और मब 11 में कुल मूल्य में से घटा दी जानी चाहिए।	
				(ii) अनकर अधिनियम की अनुसूची के भाग 1 के पैरा 4 में नियम 2 के अधीन "सहरी आस्ति" मानी गई और उपाबंध 4 में जोड़ी गई रकम पुष्क रूप में दर्शाई जानी चाहिए और मब 14 में शुद्ध मूल्य में से घटा दी जानी चाहिए।	

[सं. 6082/फा. सं. 134(66)/84-टीपीएल]
बी०डी० कारबर्नर, सचिव, केंद्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st Dec., 1984

WEALTH-TAX

S.O. 951 (E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely :—

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Third Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1985.

2. In the Wealth-tax Rules, 1957,

(i) rule 8M shall be omitted;

(ii) in Form A, for Annexure VI, the following Annexure shall be substituted, namely :—

"Annexure VI

(See Section B of Part I of this Return)

Statement of movable property (non-business assets) located in India.

S.No.	Description of assets	Value Rs.
(1)	(2)	(3)
1.	deposits referred to in sec. 5(1)(xv)	
2.	Investments referred to in sec. 5(1)(xvi)	
3.	Government securities referred to in Sec. 5(1)(xxii).	
4.	Shares in Indian companies referred to in sec. 5(1)(xxiii).	
5.	Debentures referred to in sec. 5(1)(xxiv)	
6.	Units in the Unit Trust of India referred to in sec. 5(1)(xxv)	
7.	Deposits under the National Deposit Scheme referred to in sec. 5(1)(xxva)	
8.	Deposits in banks including co-operative banks, etc., referred to in sec. 5(1)(xxvi) and compulsory deposits made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax Payers) Act, 1974.	
9.	Deposits with financial corporations and public companies referred to in sec. 5(1)(xxvii).	
10.	Deposits with the Industrial Development Bank of India referred to in sec. 5(1)(xxviii)	
11.	Deposits with any authority referred to in sec. 5(1)(xxviii).	
12.	Shares in a co-operative society referred to in sec. 5(1)(xxviii)	
13.	Deposits with a co-operative society, other than a co-operative bank or a co-operative housing society, referred to in sec. 5(1)(xxix).	

1	2	3
14.*	Value of assessee's interest as a partner in a partnership firm or a member of an association of persons, in assets of the industrial undertaking belonging to such firm or association referred to in sec. 5(1)(xxxii).	
	Total value	
	Less : Amount exempt under section 5(1A) (to the extent not availed of against the value of agricultural lands in Annexure I or II)	
	Net value—carried over	
15.	(a) Securities, bonds and debentures of local authorities (other than those mentioned in Sl. No. 5)	
	(b) Shares (other than those mentioned in Sl. No. 4), debentures of bonds of companies.	
16.	(a) Moneys lent out by way of loans or advances and interest accrued/due thereon up to the valuation date :	
	(b) Any other amounts due to the assessee which remain unpaid.	
	(c) Amounts covered by insurance policies which have become due and payable but not paid.	
	(d) Uncashed dividends, interest, etc.	
	(e) Moneys in hand or in banks (other than those mentioned in Sl. No. 8)	
17.*	Value of assessee's interest as a partner in a partnership firm or a member of an association of persons (not being a co-operative housing society)	
	Less : Value of assessee's interest as a partner in a partnership firm or a member of an association of persons, in assets of the industrial undertaking belonging to such firm or association referred to in sec. 5(1)(xxxii)	
	Net value	
18.	Annuity rights [other than those which are not includible in "assets" under section 2(e) and those exempt under sec. 5(1)(via) or (vii)]	
19.	Tools and instruments, etc., to enable the assessee to carry in his profession or vocation (Mention profession or vocation)	
	Less : Exemption [sec. 5(1)(x)]	
20.	(a) Furniture, utensils, and other articles, not exempt under sec. 5(1)(viii) (Give details)	

1	2	3	Notes :
	(b) Conveyance [vide second proviso and Explanation 2 to sec. 5(1) (viii)] Description.....		. * Give Details.
	(c) Jewellery (Give details) :		2.** Where the return relates to the assessment year 1976-77 or any earlier assessment year,—
	(i) Gold ornaments		
	(ii) Ornaments made of silver, platinum or any other precious metal or any alloy thereof [Vide Explanation 1(a) to sec. 5(1)(viii)]		(i) The amount representing the value of any share in a closely held company deemed to be an "urban asset" under rule 4 in Paragraph B of Part I of the Schedule to the Wealth-tax Act and added in Annexure IV should be shown separately and deducted from the total value in item 11;
	(iii) Precious or semi-precious stones [vide Explanation 1(b) to sec. 5(1) (viii)]		(ii) the amount deemed to be an "urban asset" under rule 2 in Paragraph B of Part I of the Schedule to the Wealth-tax Act and added in Annexure IV should be shown separately and deducted from the net value in item 14.
21.	Value of assessee's right or interest in a policy of insurance to the extent not exempt under sec. (51) (vi).		
22.	Other assets not included in the above item.		
TOTAL VALUE taken to Section B [column (3)] of Part I of this Return.			[No. 6082/F.No. 134 (66)/84—TPL] V.D. WAKHARKAR, Secy. Central Board of Direct Taxes.